



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	21.07.2021	-	-

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की उन्नत आम आदमी का सख्तान बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती को और बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रेरित करने की आवश्यकता है। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे विश्वविद्यालय के टीन टपाल उपभोग जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से संबंधित बैठक के दौरान बयान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने

टीन टपाल उपभोग जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से संबंधित हुए कुलपति, भविष्य के लिए लिए महत्वपूर्ण मुद्दा



पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के खेती कार्यों को बढ़ावा दे जो प्रत्येक किसान को पहुंच में हो सके। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उन्नत प्रयोग करने में सक्षम हो। कुलपति ने कहा कि एचएयू उन्नत भारत का अपने अर्थ में एक अग्रणी विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के

माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्व के कुछ देशों में इनके देश व प्रदेश में जैविक खेती के प्रति किसानों, कृषि वैज्ञानिकों व आम उपभोक्तकों का सख्तान बढ़ा है। जैविक उत्पादों की स्थापना के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ शैथिल्य, स्वच्छिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह करते हुए

कहा कि अपने खेती उत्पादों को इस तरह से उन्नत बनाएं जिससे आवश्यक सभी विषयों का सम्बन्ध हो सकें उपभोक्तकों तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। इसके अलावा अनुसंधान परियोजनाओं को दुकानों की बजाए एक पूरा पैकेज खोज जाए जिसमें पैदावार, गुणवत्ता व प्रोसेसिंग शामिल हो। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. साहस्रान ने जैविक खेती के लिए मुख्य सिंचनी विधि से फर्टीलाइजर करने पर ड्रिपिंग बंद होने की संभावना का संवधान सुझाते, फल वाले पौधों के बीच गन्धी व अन्य फसलों का अंतराल व शिथिल फसलों का पूरा खेत का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
4 नवंबर 2022	22.7.21	2	5-6

जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रुझान बढ़ा: वीसी

वैज्ञानिकों से मिले एचएयू के वीसी ने बैठक में दिए दिशा-निर्देश

भास्कर न्यूज़ हिसार

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रुझान बढ़ रहा है, मगर जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें। इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी प्रेरित करें। वह विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक में रूबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो हर किसान की पहुंच में हो सके। साथ ही हर किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में समर्थ हो। वीसी ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। जैविक उत्पादों को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने

फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का हो अंतःकरण

अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.एसके. सहरावत ने जैविक खेती के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधि से फर्टिगेशन करने पर डीपर बंद होने की संभावना का समाधान ढूंढकर, फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का अंतःकरण व विभिन्न फसलों का पूरे साल का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर डाला। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी।

के साथ-साथ पौष्टिक, स्वादिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि अपने शोध प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिसमें आवश्यक सभी विषयों का समन्वय हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। इसके अलावा अनुसंधान पहलुओं को टुकड़ों की बजाय एक पूरा पैकेज खोजा जाए जिसमें पैदावार, गुणवत्ता व प्रोसेसिंग शामिल हो। इस अवसर पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	21 .07.2021	-	-

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित - प्रो. वी.आर. काम्बोज

आजकाल का युग

हिसार, 21 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि जिन दिन जैविक उत्पादों को उत्कृष्ट जगह उपलब्धता का साक्ष्य अब तक है, लेकिन जैविक खेती को और जल्दी भी कम विकसित जगह आ रहे हैं। इसलिए वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक जैविक खेती को सभी फसलों को समग्र सिफारिशें विकसित करें और इससे लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे विश्वविद्यालय के तीन पुराने उपसंचालक जैविक खेती उपसंचालक केंद्र वैज्ञानिकों से सम्बंधित केंद्रों के दौरान कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों को कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि इससे पहले कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उपसंचालक केंद्र को गठित किया जा रहा है। इसलिए वैज्ञानिकों का कहनाय है कि इस केंद्र के अन्तर्गत में जैविक से जैविक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व उत्साहित किया जाए। अनुसंधान विभाग डॉ. राजेंद्र, कलकत्ता ने जैविक खेती के लिए प्रमुख सिफारिशें विधि से परीक्षण करने का प्रारंभ कर



रने को संभवता का समर्थन करते, कम जोत खेती के बीच सब्जी व अन्य फसलों का जोतकारण व विभिन्न फसलों का पूरे साल का प्रयोग कम विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर और प्रो. वी.आर. काम्बोज उपसंचालक जैविक खेती उपसंचालक केंद्र के निदेशक डॉ. अशोक कुमार ने केंद्र में कम जोत विभिन्न प्रोडिक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें किसानों, श्रमिकों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से पैदा किया जाता है। यह प्रदेस के किसानों को जैविक फसल और श्रमिकों को अपने के प्रति प्रेरित करने में उत्तम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर जैविक अनुसंधान विभाग डॉ. योगेश कुमार, परिसंचालक निदेशक डॉ. अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष	21.07.2021	-	-

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें: प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषिजीवि प्रोफेसर पी.आर. कांबोज ने कहा कि दिनें दिन जैविक उत्पादों की लागत आम आदमी का बड़का बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं, इसलिए पहिले में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए काम जोर वाले किसानों को भी जगह से जगह घेरित किया जाना चाहिए। वे कुपनगर को विश्वविद्यालय के टीन हवाल उपभोग जैविक खेती उपकृत केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा केंद्र के दौरान संबन्धित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया जाना

चाहिए और इस प्रकार के लोग बांधों को बढ़ावा दें जो प्रत्येक किसान की पहुँच में हो सकें। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उपकृत प्रयोग करने में समर्थ हो। कृषिजीवि ने कहा कि एचएलु जल भण्डार का अपने आम में एक अद्भुत विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उपकृत केंद्र की स्थापना की गई है, इसलिए वैज्ञानिकों का कारण बनना है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में हमारे देश व दुनिया में जैविक खेती के प्रति किसानों, कृषि वैज्ञानिकों व आम उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा है। जैविक उत्पादों को

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पौष्टिक, पर्यावरण व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि अपने खेत प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिससे आवश्यक सभी विधियों का सम्मन्धान हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुँच सकें। दीरघकाल उपभोग जैविक खेती उपकृत केंद्र के निदेशक डॉ. अजित कुमार ने केंद्र में क्या ही विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परिशोधन निदेशक डॉ. समीर खेतार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा दृढ़	21.07.2021	-	-

डिजिटल क्षेत्रों की सच्चे किसानों को विकसित हो सकेगा, कम अंतर वाले किसानों को करें प्रेरित - जे.बी.प्रार. कम्बोज



डिजिटल किसानों

दिल्ली के जे.बी.प्रार. कम्बोज ने डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

जे.बी.प्रार. कम्बोज ने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल किसानों को प्रेरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंद	23.07.2021	--	--

एचएयू को भेंट किए दो वाटर कुलर, पौधारोपण भी किया गया

अटल हिंद संवाददाता

हिसार / हांसी । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का 114 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी और भविष्य में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि किसी भी बैंक की विश्वशयनीयता तभी कायम होती है तब उसके कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसलिए बैंक की ओर से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, विद्यार्थियों व अन्य उपभोक्ताओं को

अच्छी से अच्छी उपलब्ध सेवाएं मुहैया करवाई जानी चाहिए। इस दौरान कुलपति ने बैंक परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान बैंक की ओर से विश्वविद्यालय में बाहरी आगंतुकों के लिए आरओ सहित दो वाटर कुलर भी प्रदान किए गए ताकि उन्हें स्वच्छ व शुद्ध जल मिल सके। इन वाटर कुलरों के रख-रखाव का जिम्मा भी बैंक का ही होगा। ये वाटर कुलर क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह ने कहा कि बैंक कर्मचारी हर समय उपभोक्ताओं को बेहतरीन सेवाएं देने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने इस दौरान स्टार्टअप स्कीम व अन्य किसी भी प्रकार का व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंक द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले ऋणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार स्थापित

करने व विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए बैंक की ओर से बहुत ही सस्ती दरों पर ऋण दिया जाता है।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढंडा, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढंडा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुबोध अग्रवाल, उप-क्षेत्रीय प्रबंधक अंजनी सिंघल, क्षेत्रीय व्यापार प्रबंधक ईशान भुटानी, मुख्य प्रबंधक पालाराम, सुभाष ढाका, सुनील सोनी, नवीन शर्मा, बैंक के शाखा प्रबंधक रवि सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।